लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 14-02-2020 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 2-6

उद्योगपति बोले-थ्योरी तो पढ़ाई जाती है स्किल नहीं कोर्स ऐसे बनाएंगे, जिसमें स्किल भी हों : केपी सिंह

इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव में इंडस्ट्रीज और शिक्षण संस्थानों से जुड़े एक्सपर्ट ने साझा किए विचार

जागरण संवाददाता, हिसार: कृषि क्षेत्र में युवाओं में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिलें, इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव की शुरुआत हुई है। कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह रहे। कार्यक्रम में उद्योगपतियों ने बताया कि उन्हें स्किल्ड मैन पावर की आवश्यकता होती है, मगर पढ़ाई कर जो छात्र आते हैं वह थ्योरी पर आधारित ही पढ़ाई करते हैं। ऐसे में एचएयू भी अपने यहां ऐसे कोर्सों में स्किल को भविष्य में जोड़ने की तैयारी में है। इस कॉन्क्लेव में स्विट्जरलैंड स्थित ईटीएच ज्यूरिख विश्वविद्यालय के प्रो. यूजस्टर वर्नर, डेनमार्क की यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन के डॉ. सोरेन के. रसमुसेन विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। अमेरिका की ऐबरिस्टविद यूनिवर्सिटी से आए डा. रतन यादव भी सेशन में उपस्थित रहे।

औद्योगिक कॉन्क्लेव में कुलपति प्रो. केपी सिंह सम्बोधित करते हुए। • जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि क्षेत्र में रोजगार के नये आयाम' विषय पर दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव में मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य। • जागरण

इन उदाहरणों से जानिये क्यों जरूरी है औद्योगिक समन्वय, स्किल आधारित पढ़ाई

1- इंडस्ट्रीज के साथ यह हैं समस्याएं

चंडीगढ़ स्थित रीजनल सेंटर फॉर अंत्रप्रन्योर्सशिप में प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ. परमजीत सिंह बताते हैं कि इंडस्ट्रीज के सामने स्किल्ड कर्मचारियों की बहुत आवश्यकता है। शिक्षण संस्थानों में थ्योरी पर फोकस दिया जाता है। अगर कंपनियां इन युवाओं को ट्रेनिंग भी देती हैं तो ट्रेनिंग लेकर यह कर्मचारी दूसरी कंपनी में सेवाएं देने लगते हैं। अब अकाउंट का कर्मचारी चाहिए तो सिर्फ एमकॉम से काम नहीं चलता उसे गुड्स एंड सर्विस टेक्स, टैली, इंकम टैक्स रिटर्न भरने जैसी जानकारी होनी चाहिए, मगर होती नहीं है। ऐसे में शिक्षण संस्थानों को अपने कोर्स में स्किल को शामिल करना होगा।

2- उद्योग एवं शिक्षण संस्थानों में विश्वास की कमी

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विदेशों में सभी बड़े विश्वविद्यालयों ने औद्योगिक संपर्कों के माध्यम से प्रगति की है। हालांकि, भारत में दोनों पक्षों के बीच विश्वास की कमी के कारण इस तरह के संबंध कम है, हमें उन संदेहों से आगे बढ़ने और एक-दूसरे के लिए सहायक होने की आवश्यकता है। उद्योगों को नवाचार चाहिए, इसके लिए एचएयू ने विश्व स्तर की प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। इसके साथ ही दोनों पक्षों के रिश्ते मजबूत करने के लिए विशेष रूप से कॉर्पोरेट और औद्योगिक संबंधों के लिए एक सेल की स्थापना की गई है। इसका भी लाभ मिलेगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........ हरि भूमि ....
दिनांक........ 19-02-2020 .... पृष्ठ सं........ 12 .... कॉलम........ 2-6 ....

हकृवि में कृषि क्षेत्र में रोजगार पर औद्योगिक कॉन्क्लेव का आयोजन

'हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से साझेदारी करें औद्योगिक इकाइयां'

- कहा, विदेशों में सभी बड़े विश्वविद्यालयों ने औद्योगिक संपर्को के माध्यम से प्रगति की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि कृषि क्षेत्र में रोजगार के नये आयाम विषय पर दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया गया। इस कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह थे। ईटीएच ज्यूरिख विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड के प्रो. यूजस्टर वर्नर, यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन, डेनमार्क के डॉ. सोरेन के. रसमुसेन, विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. आरएस सहरावत ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।

कुलपति, प्रो. केपी सिंह ने उद्योग-शैक्षणिक संस्थानों के बीच अनुंबधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विदेशों में सभी बड़े विश्वविद्यालयों ने औद्योगिक संपर्कों के माध्यम से प्रगति की है। हालांकि, भारत में दोनों पक्षों के बीच विश्वास की कमी के कारण इस तरह के संबंध कम है, हमें उन संदेहों से आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने उद्योगों को आगे आने और हकृवि के साथ सांझेदारी के अवसरों पर काम करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी उद्योग नवाचार के बिना जीवित नहीं रह सकता है।

हिसार। मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय में न केवल कृषि संबंधी अपितु विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों के लिए भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं। जिनसे जुड़कर उद्योग नवाचार को बढ़ावा दे सकते है। उद्योगों को हमारे छात्रों को डिग्री के शुरूआती चरण में निवेश करना चाहिए ताकि छात्र कुशल हो और इंटर्नशिप के लिए जुड़ने से पहले ही विशेषज्ञ बन सकें। उद्योग सीधे निधि विभाग या एबिक के माध्यम से शोध को प्रायोजित करके या संयुक्त परियोजनाओं के लिए आगे आ सकते हैं। हकृवि के साथ सहयोग करने से उन्हें विविधता लाने, नया करने और आगे बढ़ने में मदद मिलती है।

उन्होंने बताया कि हकृवि ने विशेष रूप से कॉर्पोरेट और औद्योगिक संबंधों के लिए एक सेल की स्थापना की है और हम उधोग जगत से बेहतर संबंधों की उम्मीद कर रहें हैं, इससे रोजगार के अवसर पैदा होगें।

उन्होंने एचएयू के संकाय को औद्योगिक संपर्कों के लिए खुले रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम अपने व्यावहारिक पाठ्यक्रम में बदलाव करने को तैयार है और अपने छात्रों को उद्योग के अनुरूप बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमें लघु अवधि की गहन कार्यशाला का डिजाइन तैयार करना चाहिए, जहां औद्योगिक प्रतिनिधि ऐसे वार्षिक आयोजनों की प्रतीक्षा किए बिना साप्ताहिक व मासिक अवधि पर संबंधित विभागों में आ सकें।

ऐबरिस्टविद् यूनिवर्सिटी, यूके के डॉ. रतन यादव, और आरसीईडी, चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डायरेक्टर परमजीत सिंह ने उद्योग व शैक्षणिक तालमेल पर व्याख्यान दिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता व निदेशक उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...दैनिक भास्कर...
दिनांक...14-02-2020... पृष्ठ सं...5... कॉलम...2-4...

संस्थानों में विश्वास की जरूरत तभी रोजगार के अवसर हो सकते हैं विकसित : प्रो. सिंह

एचएयू में कृषि के क्षेत्र में रोजगार के टिप्स देंगे शोधकर्ता व एक्सपर्ट

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में कृषि क्षेत्र में रोजगार के नये आयाम विषय पर दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया गया। इस कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी.सिंह थे।

ईटीएच ज्यूरिख विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड के प्रो. यूजस्टर वर्नर, यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन, डेनमार्क के डॉ. सोरेन के. रसमुसेन, विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थें। अनुसंधान निदेशक डॉ. आरएस सहरावत ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विदेशों में सभी बड़े विश्वविद्यालयों ने औद्योगिक संपर्कों के माध्यम से प्रगति की है। भारत में दोनों पक्षों के बीच विश्वास की कमी के कारण इस तरह के संबंध कम है, हमें उन संदेहों से आगे बढने और एक-दूसरे के लिए सहायक होने की आवश्यकता है। उन्होंने उद्योगों को आगे आने और एचएयू के साथ साझेदारी के अवसरों पर काम करने के लिए आमंत्रित किया।

एग्रीकल्चर ऑडिटोरियम में इंडस्ट्री कन्क्लेव न्यू प्लेसमेंट एवेन्यू इन एग्रीकल्चर कार्यक्रम को संबोधित करते वीसी केपी सिंह।

किसान घर बैठे पेस्टीसाइड का छिड़काव करता है

करनाल से आए बायो क्रॉप साइंस के एक्सपर्ट सुरेश ने बताया कि कृषि ने हर क्षेत्र में अपनी भूमिका बना ली है। जहां कृषि पहले केवल अन्न उत्पादन के लिए की जाती थी वहीं अब व्यवसाय के रूप में इसका प्रयोग होने लगा है। जिससे कृषि में रोजगार के अवसर बढ़ रहे है। स्वरोजगार के जरिए एक किसान न केवल खुद व्यापारी बन रहा है बल्कि दूसरों को भी नौकरी दे रहा है। वहीं बात की जाए तकनीक की तो आज किसान घर बैठे खेतों में पेस्टीसाइड का छिड़काव कर रहा है। जिससे न तो उसके शरीर में पेस्टीसाइड से होने वाली बीमारियां जन्म लेगी और ने ही उसे बार बार खेतों में जाना पड़ेगा। वहीं सबसे बडी समस्या वातावरण परिवर्तन की होती है जिसमें भी शोधकर्ता ऐसे उपकरण बना रहे है जिससे किसान दस दिन पहले ही वातावरण के बारे में पता लगा पाएगा। ऐसे में कृषि के लिए नई सोच व शोध की तलाश करने के लिए ही इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए हर वर्ग के सदस्य पहुंचते है। इस कॉन्क्लेव में भी कृषि से जुडे नए आइडिया को जानने के लिए सभी के सुझाव लिए जाएंगे। जिससे कृषि में रोजगार के अवसरों को बढ़ाया जाए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 14-02-2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-5

हम फूड में कर सकते हैं सबसे ज्यादा वैल्यू एडीशन, ऐसे में कृषि में रोजगार की अपार संभावनाएं : परमजीत सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

परमजीत सिंह

- एचएयू में कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए आयाम विषय पर दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव हुआ शुरू

हिसार। आज हर क्षेत्र में वैल्यू एडीशन का जमाना है। हम फूड में सबसे ज्यादा वैल्यू एडीशन कर सकते हैं। ऐसे में एग्रीकल्चर क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह कहना रीजनल सेंटर फॉर एंटरप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट के डायरेक्टर परमजीत सिंह का। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए आयाम विषय पर आयोजित दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव में शिरकत करने पहुंचे थे।

उन्होंने कहा कि आज सिर्फ पढ़ाई से काम नहीं चलेगा। अगर आपको रोजगार पाना है तो कोई स्किल सीखना पड़ेगा। राज्य व केंद्र सरकार इस तरफ काफी ध्यान दे रही है। स्कूल स्तर से ही बच्चों को किसी न किसी स्किल की ट्रेनिंग दी जा रही है। स्किल ट्रेनिंग का शिक्षा का ही एक भाग बनाया जा रहा है, जो आज के समय में बहुत जरूरी है। परमजीत सिंह ने कहा कि स्किल के मामले में हम विकसित देशों की तुलना में काफी पीछे हैं। अगर अभी हमने इस तरफ ध्यान नहीं दिया तो इन देशों के लोग हमसे हमारा रोजगार छीन लेंगे।

रोजगार लेने नहीं, देने वाले बनो : कॉन्क्लेव में विद्यार्थियों को संबोधित किया कि आज देश में रोजगार लेने वालों की नहीं, बल्कि रोजगार पैदा करने व देने वालों की जरूरत है। इसलिए रोजगार लेने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनो। परमजीत सिंह ने कहा कि आईएएस आज है, लेकिन कल उसका नाम कोई नहीं लेगा, लेकिन एक एंटरप्रिन्योर का नाम सदियों तक लिया जाएगा। आईएएस या डॉक्टर का बेटा जरूरी नहीं कि आईएएस या डॉक्टर ही बने। मगर एक एंटरप्रिन्योर का बेटा एंटरप्रिन्योर ही बनेगा। एंटरप्रिन्योर कल था, आज है और कल भी रहेगा।

एचएयू के साथ साझेदारी के लिए आगे आएं उद्योगपति : केपी सिंह

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि क्षेत्र में रोजगार के नये आयाम' विषय पर दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया गया। इस कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह थे। ईटीएच ज्यूरिख विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड के प्रो. यूजस्टर वर्नर, यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन, डेनमार्क के डॉ. सोरेन के रसमुसेन, विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर कुलपति, प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विदेशों में सभी बड़े विश्वविद्यालयों ने औद्योगिक' संपर्कों के माध्यम से प्रगति की है। हालांकि, भारत में दोनों पक्षों के बीच विश्वास की कमी के कारण इस तरह के संबंध कम है, हमें उन संदेहों से आगे बढ़ने और एक-दूसरे के लिए सहायक होने की आवश्यकता है। उन्होंने उद्योगों को आगे आने और एचएयू के साथ साझेदारी के अवसरों पर काम करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी उद्योग नवाचार के बिना जीवित नहीं रह सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे विवि में न केवल कृषि संबंधी अपितु विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों के लिए भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं, जिनसे जुड़कर उद्योग नवाचार को बढ़ावा दे सकते हैं। उद्योगों को हमारे छात्रों को डिग्री के शुरुआती चरण में निवेश करना चाहिए, ताकि छात्र कुशल हो और इंटर्नशिप के लिए जुड़ने से पहले ही विशेषज्ञ बन सकें। उद्योग सीधे निधि विभाग या एबिक के माध्यम से शोध को प्रायोजित करके या संयुक्त परियोजनाओं के लिए आगे आ सकते हैं। एचएयू के साथ सहयोग करने से उन्हें विविधता लाने, नया करने और आगे बढ़ने में मदद मिलती है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... उत्तम हिन्दू .....
दिनांक..... 13-02-2020 ..... पृष्ठ सं..... 6 ..... कॉलम..... 5-8 .....

'कृषि क्षेत्र में रोजगार के नये आयाम' विषय पर औद्योगिक कॉन्क्लेव का शुभारम्भ

हिसार/विजय शर्मा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि क्षेत्र में रोजगार के नये आयाम' विषय पर दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव का शुभारम्भ किया गया। इस कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह थे। ईटीएच ज्यूरिख विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड के प्रो. यूजस्टर वर्नर, यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन, डेनमार्क के डॉ. सोरेन के. रसमुसेन, विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थें। अनुसंधान निदेशक डॉ. आर.एस. सहरावत ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।

मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व अन्य।

कुलपति, प्रो. के.पी. सिंह ने उद्योग-शैक्षणिक संस्थानों के बीच अनुबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विदेशों में सभी बड़े विश्वविद्यालयों ने औद्योगिक संपर्कों के माध्यम से प्रगति की है। हालांकि, भारत में दोनों पक्षों के बीच विश्वास की कमी के कारण इस तरह के संबंध कम है, हमें उन संदेहों से आगे बढने और एक-दूसरे के लिए सहायक होने की आवश्यकता है। उन्होंने उद्योगों को आगे आने और हकृवि के साथ साझेदारी के अवसरों पर काम करने के लिए आमंत्रित किया।

उन्होंने बताया कि हकृवि ने विशेष रूप से कॉर्पोरेट और औद्योगिक संबंधों के लिए एक सेल की स्थापना की है और हम उधोग जगत से बेहतर संबंधों की उम्मीद कर रहें हैं, इससे रोजगार के अवसर पैदा होगें।

उन्होंने एचएयू के संकाय को औद्योगिक संपर्कों के लिए खुले रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम अपने व्यावहारिक पाठ्यक्रम में बदलाव करने को तैयार है और अपने छात्रों को उद्योग के अनुरूप बनाना चाहते हैं।

ऐबरिस्टविद यूनिवर्सिटी, यूके के डॉ. रतन यादव, और आरसीईडी, चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डायरेक्टर, श्री परमजीत सिंह ने उद्योग व शैक्षणिक तालमेल पर व्याख्यान दियें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता व निदेशक उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....
दिनांक....17-02-2020.... पृष्ठ सं....17.... कॉलम....6-7....

व्यक्तित्व विकास विषय पर 14 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय में हुआ कार्यक्रम, दिए करियर के टिप्स

जागरण संवाददाता, हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय में करियर एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा व्यक्तित्व विकास विषय पर 14 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया रहे। मुख्य अतिथि डा. दहिया ने पंजीकृत विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा में जीवन लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा देते हुए अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में लक्ष्य के प्रति समर्पित भावना, दृढ़ निश्चय व कठिन मेहनत करके ही अपेक्षित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रायोगिक विधि से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा से प्रेरित किया। करियर व प्लेसमेंट सेल के सहायक छात्र कल्याण निदेशक, डा. ओमेन्द्र सांगवान ने विद्यार्थियों को आधुनिक समय में करियर में आने वाली चुनौतियों से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ करियर व प्लेसमेंट से संबंधित विविध प्रकार के टिप्स को ध्यान में रखकर आगे बढ़ने की जरूरत है। कार्यशाला के कोर्स- कोऑर्डिनेटर डा. देवेन्द्र सिंह ने इस कार्यशाला में होने वाली गतिविधियों पर आयोजित व्याख्यानों से अवगत करवाया और व्यक्तित्व विकास से संबंधित विद्यार्थियों को टिप्स दिए।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...... अमर उजाला, हरि भूमि ......

दिनांक...... 14-02-2020 पृष्ठ सं...... 6, 14 ...... कॉलम...... 3, 6-8

कठिन मेहनत से ही लक्ष्य प्राप्ति संभव : डॉ. दहिया

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय में करियर एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा व्यक्तित्व विकास विषय पर 14 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया थे। डॉ. दहिया ने बताया कि जीवन में लक्ष्य के प्रति समर्पित भावना, दृढ़ निश्चय व कठिन मेहनत करके ही अपेक्षित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रायोगिक विधि से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा से प्रेरित किया। सेल के सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने विद्यार्थियों को आधुनिक समय में करियर में आने वाली चुनौतियों से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ करियर व प्लेसमेंट से संबंधित विविध प्रकार के टिप्स को ध्यान में रखकर आगे बढ़ने की जरूरत पर बल दिया। कार्यशाला के कोर्स को-ऑर्डिनेटर डॉ. देवेंद्र सिंह ने इस कार्यशाला में होने वाली गतिविधियों पर से अवगत करवाया।

हकृवि में व्यक्तित्व विकास पर प्रशिक्षण आरंभ

हिसार। हकृवि के छात्र कल्याण निदेशालय में करियर एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा व्यक्तित्व विकास विषय पर चौदह दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ देवेंद्र सिंह दहिया थे। मुख्य अतिथि डॉ. दहिया ने पंजीकृत विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा में जीवन लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा देते हुए अपने अनुभवों को सांझा किया। उन्होने बताया कि जीवन में लक्ष्य के प्रति समर्पित भावना, दृढ़निश्चिय व कठिन मेहनत

करके ही अपेक्षित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होनें विद्यार्थियों को प्रायोगिक विधि से जीवन में आगे बढनें की प्रेरणा से प्रेरित किया। करियर व प्लेसमेंट सेल के सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने विद्यार्थियों को आधुनिक समय में करियर मे आने वाली चुनौतियों से अवगत करवाया। उन्होनें बताया कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ करियर व प्लेसमेन्ट से संबंधित विविध प्रकार के टिप्स को ध्यान में रखकर आगे बढ़ने की जरूरत पर बल दिया। कार्यशाला के कोर्स-कोर्डिनेटर डॉ. देवेंद्र सिंह ने इस कार्यशाला में होने वाली गतिविधियों पर आयोजित व्याख्यानों से अवगत करवाया और व्यक्तित्व विकास से संबंधित बिन्दुओं का ब्योरा विद्यार्थियों के सम्मुख प्रस्तुत किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....
दिनांक....19-02-2020.... पृष्ठ सं....1.... कॉलम....1-2....

पढ़ाई के साथ-साथ प्लेसमेंट के टिप्स दिए

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय में करिअर एंड प्लेसमेंट सैल द्वारा व्यक्तित्व विकास विषय पर चौदह दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ देवेंद्र सिंह दहिया रहे। डॉ. दहिया ने पंजीकृत विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा में जीवन लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा देते हुए अपने अनुभवों को सांझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में लक्ष्य के प्रति समर्पित भावना, दृढ़ निश्चय व कठिन मेहनत करके ही अपेक्षित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंनें विद्यार्थियों को प्रायोगिक विधि से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा से प्रेरित किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पाठकपक्ष
दिनांक 13.2.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-5

कृषि अनुसंधान में संचार तकनीक का इस्तेमाल करके उठाएं लाभ

हिसार, 13 फरवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नयी दिल्ली की सहभागिता में 12-14 फरवरी तक 'डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंग्थेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ आज मौलिक विज्ञान और मानविकी कॉलेज के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अथिति निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत थे। इस अवसर पर आईएआरआई के प्रधान अन्वेषक वैज्ञानिक एवं एनएएचईपी के अन्तर्गत आईजी संबंधित प्रोजेक्ट के सीसीपीआई डॉ. अमरिंदर कुमार भी उपस्थित थें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कृषि कोष की पुस्तिका का विमोचन किया गया। मुख्य अथिति डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि आज के सूचना तकनीकी के प्रभाव के अन्तर्गत सभी सूचना स्त्रोत उपभोक्ताओं के लिए बिना स्थान व समय की रूकावट के उपलब्ध है। इस सूचना तकनीकी युग में कंप्यूटर, सूचना संचार के लिए शक्तिशाली उपकरण बन गया है जिसके फलस्वरूप सूचना अथाह रूप से

उत्पन्न एवं प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध बहुत सारे ई-रिसोंसिस जैसे सेरा, कृषि कोष, ई-बुक्स, ई-जरनल आदि को अपने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने का आहवान किया। डॉ. अमरिंदर कुमार ने आयोजित की जा रही तीन दिवसीय कार्यशाला के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंनें बताया कि इस कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों को कृषि कोष, डिजिटल लाइब्रेरी, सेरा, कोहा, स्कोपस, मैंडले, प्लागिअरिस्म, डेलनेट, साइटेशन एवं इम्पैक्ट राइटिंग, इत्यादि विषयों से अवगत करवाया जायेगा। जिससे इन सूचना स्त्रोतों का पूरी तरह से शैक्षणिक स्तर तक इस्तेमाल हो सकें। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ बलवान सिंह ने बताया की इस तीन दिवसीय कार्यशाला में पहले दो तकनीकी स्तर, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व छात्रों के लिए एवं अन्य चार तकनीकी स्तर, उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आये कृषि विश्वविद्यालयों से पुस्तकालय विशेषज्ञों के लिए रखे गये है। उन्होंनें बताया कि इस कार्यशाला में लगभग 20 पुस्तकालय विशेषज्ञों एवं विश्वविद्यालय के लगभग 300 वैज्ञानिक व छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यशाला की संयोजिका डॉ. सीमा परमार ने बताया कि कार्यशाला के दौरान सभी विषयों पर जानकारी देने के लिए दूसरे विश्वविद्यालयों से विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है तथा इससे सभी पुस्तकालय विशेषज्ञों को अपने-अपने पुस्तकालयों में पाठकों को बेहतर सुचना सेवा प्रदान करने में लाभ होगा। इस अवसर पर डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया व मंच का सञ्चालन डॉ. भानु प्रताप ने किया। इस अवसर पर सभी कॉलेजो के अधिष्ठाता एवं निदेशक, विभाग प्रमुख एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।